अ षष्टिप्र. निश्चयार्थ अव्यय, [ज] (सं.च) **अड** *तेरका*. अति **अइंढि** *लावल*. एंठ, उच्छिष्ट [सं.\*आचष्ट] अइरावण तेरका. ऐरावण, [इंद्रनो हाथी] **अइसा** नरप. आवा (सं.ईदृश) [हिं.] **अइसिउं** नलरा. एवं (सं.ईदृश) अइहवि गुर्जरा-टि. सौभाग्यवती स्त्री (सं. अविधवा) अर उक्तिर. आ (सं.अयम्) अउआरणे कर्पूमं. ओवारणे [सं.अपवारण] **अउसघ** *प्राचीसं*. औषध अउगनाड उक्तिर. ध्यानमां न ले (\*सं. अपकर्णयति) [सं.अवकर्णयति] अउगनिया जुओ अडगनिया, अवगनियां, उगनियं अउगी \*तेरका. प्राचीसं. मूगी; जुओ उगउ अउन उक्तिर, अयोध्या अउठ, अऊठ अंबरा. उक्तिर. नलरा. स्थ्रलिफा. साडा त्रण (सं.अर्धचतुर्थ) **अउत** मदमो. अयुत, दश हजार **अउधारिवं** उक्तिर. अवधारवं, ध्यानमां लेवं **अउलवड** उक्तिर. ओळवे, कपटथी पडावी ले (सं.अपलपति); जुओ ओलवइ अउले (अउले खाले वहे) \*जिनरा. अविकी खाळे वहें, ऊभराय, छलकाय] **अउलेवेवउं** *षडाबा***. ओळववुं (सं.अपलप्)** अउल्हाइ जिनरा. \*संकृचित थाय, [पाछुं पडे, खिन्न थाय] [दे.ओहुझ] **अउहटइ** *जिनरा*. दूर थाय, [आघुं खसे] अउंगउ-मुगउ उक्तिर. ऊगोमूगो, मूगो

अकज अखाका. न करवा जेवं काम, [न थवा जेवुं, अघटित] दशस्कं(२). प्रेमाका. सिंहा(शा). नकामुं, व्यर्थ (सं. अकार्य) अकयत्थ *आरारा*. एके; ऐतिका. अकृतार्थ, [जेनुं जीवन सार्थक नथी एवो] **अकरणि** *षडाबा***. न**हीं करवामां **अकरतउ** ष*डाबा*. नहीं करतो अकिल ऐतिरा. नहीं कळातूं, नहीं समजातूं **अकह** *प्राचीफा*. अकथ्य, अवर्णनीय (सं. अकथ) अकाचीन सिंहा(शा). ?, [\*अकिंचन, \*कर्मशून्य] **अकाज** *अखाछ. आरारा. शीलक.* नकामुं, व्यर्थ, खोटुं; अखाका. अकार्य, न करवा जेवं काम, [हानि]; उपबा. चतुचा. \*ल*पच*. अघटित कार्य **अकाजि** *गुर्जरा. विराप*. अकारण, [खोटी रीते, खराब रीते, खोटुं करीने (सं.अकार्य) **अकाम** *अखाका.* निष्काम अकारिम प्राचीफा. अकृत्रिम, स्वाभाविक (सं.अ+कार्मिक ?) **अकित्ती** *जिनरा*. अकीर्ति, अिपयश अपावनार नामकर्मभेदो जि.ो **अकीघड** *षडाबा*. वणकीधे. वणकर्ये **अकुप्य** *वाग्भबा.* सोनुं-चांदी [सं.] अकुळीणउ वीसरा. अकुलीन [रा.] **अकेकलां** कादं(शा). एकेक,

(सं.अवाङ्मूक); जुओ उगउमुगउ

अऊठ जुओ अउठ